Biyani Girls College
Department of Social Science
Modal Paper
BA SEM VI
Psychology
Faculty of Arts
Counselling Psychology

Time Allowed: Three Hours **Maximum Marks : 80**
समय सीमा: तीन घंटे **अधिकतम अंक : 80**

No supplementary answer-book will be given to any candidate. Hence the candidates should write the answer precisely in the main answer-book only.

किसी भी परीक्षार्थी को पूरक उत्तर-पुस्तिका नहीं दी जाएगी। अतः परीक्षार्थियों को चाहिए कि वे मुख्य उत्तर-पुस्तिका में ही समस्त प्रश्नों का उत्तर लिखें।

Answers to short answer-type questions must be given in sequential order. Similarly, all the parts of one question of descriptive part should be answered in one place in the answer-book.

लघुत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर प्रश्नों के क्रमांकानुसार ही दें। इसी प्रकार किसी भी एक वर्णनात्मक प्रश्न के अन्तर्गत पूछे गए विभिन्न प्रश्नों के उत्तर उत्तर-पुस्तिका में एक ही स्थान पर क्रमबद्ध हल करने चाहिए।

Write your roll number on the question paper before start writing the answers to questions.

प्रश्नों के उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न-पत्र पर रोल नम्बर अवश्य लिखिए।

Question paper consists of two parts A and B.
प्रश्न पत्र में दो भाग अ और ब होंगे।

PART-A :20 marks/भाग-अ

Part A is compulsory having 10 very short answer-type questions (with a limit of 20 words) of two marks each. The first question is based on knowledge, understanding, and applications of the topics/text covered in the syllabus.

भाग अ में दो अंक के 10 अति लघु उत्तरीय प्रश्न (20 शब्दों की सीमा के साथ) अनिवार्य हैं। पहला प्रश्न पाठ्यक्रम में शामिल विषय/पाठ के ज्ञान, समझ और अनुप्रयोगों पर आधारित है।

PART-B: 60 marks/भाग-ब

Part B of the question paper is divided into four units comprising question numbers 2-5. There is one descriptive question from each unit with internal choice. Each question will carry 15 marks.

प्रश्न पत्र के भाग ब को प्रश्न संख्या 2–5 सहित चार इकाइयों में विभाजित है। प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प के साथ एक वर्णनात्मक प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है।

Part A /भाग- अ

I. Define counselling.

परामर्श (Counselling) की परिभाषा दीजिए।

II. State any two goals of counselling.

परामर्श के कोई दो उद्देश्य बताइए।

III. What is an initial interview in counselling?

परामर्श में प्रारंभिक साक्षात्कार क्या होता है?

IV. Mention any two determinants of counselling relationship.

परामर्श संबंध के कोई दो निर्धारक लिखिए।

V. What is meant by closing a counselling relationship?

परामर्श संबंध के समापन से क्या अभिप्राय है?

VI. Write any two personal qualities of an effective counsellor.

एक प्रभावी परामर्शदाता के कोई दो व्यक्तिगत गुण लिखिए।

VII. What are ethical aspects in counselling?

परामर्श में नैतिक पक्ष क्या होते हैं?

VIII. What is Rational Emotive Behaviour Therapy (REBT)?

रेशनल इमोटिव बिहेवियर थेरेपी (REBT) क्या है?

IX. Define career counselling.

करियर परामर्श की परिभाषा दीजिए

X. What is multicultural counselling?

बहुसांस्कृतिक परामर्श क्या है?

PART-B / भाग-ब

UNIT–I/ इकाई–I

1. Explain the meaning, goals, history, and current trends in counselling in detail. (15)
परमर्श का अर्थ, उद्देश्य, इतिहास तथा वर्तमान प्रवृत्तियों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

OR/अथवा

Describe the counselling process and counselling relationship, including its nature, determinants, steps, initial interview, and closing of counselling relationship. (15)

परामर्श प्रक्रिया तथा परामर्श संबंध का वर्णन कीजिए, जिसमें इसकी प्रकृति, निर्धारक, चरण, प्रारंभिक साक्षात्कार तथा परामर्श संबंध के समापन को शामिल करें।

UNIT–II/ इकाई–II

2. Discuss the personal and professional aspects of a counsellor, including personal qualities, educational background, and professional competencies.
परामर्शदाता के व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक पक्षों का वर्णन कीजिए, जिसमें व्यक्तिगत गुण, शैक्षिक पृष्ठभूमि तथा व्यावसायिक दक्षताएँ शामिल हों।

OR/अथवा

Explain the ethical and legal aspects of counselling along with levels of helping and helping specialties (15)

परामर्श के नैतिक एवं विधिक पक्षों का वर्णन कीजिए तथा सहायता के स्तरों एवं सहायता की विशिष्टताओं को स्पष्ट कीजिए।

UNIT–III/ इकाई–III

3. Describe psychoanalytical and psychodynamic approaches to counselling in detail.
परामर्श के मनोविश्लेषणात्मक एवं मनोगतिकीय दृष्टिकोणों का विस्तृत वर्णन कीजिए।

OR/अथवा

Explain cognitive and behavioural approaches in counselling with special reference to Rational Emotive Behaviour Therapy (REBT) and behavioural techniques.
परामर्श में संज्ञानात्मक एवं व्यवहारवादी दृष्टिकोण का वर्णन कीजिए, विशेष रूप से REBT तथा व्यवहारिक तकनीकों के संदर्भ में।

UNIT–IV इकाई–IV

4. Discuss the importance, scope, and need of career counselling across the life span.

जीवन-पर्यंत करियर परामर्श के महत्व, क्षेत्र तथा आवश्यकता का वर्णन कीजिए।

OR/अथवा

Explain career counselling for diverse populations, including aged populations, gender-based counselling, and multicultural counselling.

विविध जनसंख्या के लिए करियर परामर्श का वर्णन कीजिए, जिसमें वृद्ध जनसंख्या, लिंग-आधारित परामर्श तथा बहुसांस्कृतिक परामर्श शामिल हों।